वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 245 शुक्रवार 30 दिसम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री ने की राज्यपाल से मुलाकात

पेपर लीक प्रकरण और कोटा में आत्महत्याओं पर त्वरित संज्ञान लेकर कार्यवाही करने की आवश्यकता जताई

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गुरुवार को राजभवन पहुंच कर राज्यपाल कलराज मिश्र से मुलाकात की। राज्यपाल मिश्र से इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति की राजस्थान यात्रा तथा प्रदेश के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कौशल विश्वविद्यालय अधिनियम में संशोधन किए जाने के लिए भी चर्चा की। राज्यपाल मिश्र ने मुख्यमंत्री गहलोत को कोटा में कोचिंग संस्थानों में लगातार छात्र-छात्राओं की आत्महत्या के प्रकाशित समाचारों पर चिंता जताते हुए राज्य सरकार के स्तर पर इस सम्बंध में प्रभावी कार्य योजना बना कर कार्य करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कोचिंग संस्थाओं के प्रभावी नियन्त्रण, वहां शुल्क का निर्धारण, तनाव व दबाव रहित शिक्षण व्यवस्था, साप्ताहिक अवकाश, उचित स्वास्थ्य देखभाल, योग एवं खेल के माध्यम से तनाव प्रबन्धन जैसे मुद्दों को सम्मिलित करते हुए इस सम्बंध में शीघ्र कुछ किए जाने के भी सुझाव दिए। राज्यपाल ने मुख्यमंत्री गहलोत के समक्ष विभिन्न समाचार पत्रों में पेपर लीक के संबंध में प्रकाशित खबरों पर भी गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि लोक सेवा के लिए कार्मिकों का चयन पारदर्शी तरीके से किया जाना राज्य सरकार का संवैधानिक और नैतिक दायित्व है। उन्होंने राज्य सरकार स्तर पर इस सम्बंध में तत्काल उचित कार्ययोजना का निर्माण करते हुए उसका कठोरता से अनुपालन करने पर जोर दिया। पेपर लीक होना रहे लाखों बेरोजगार युवाओं के साथ छल है। इससे लाखों अभ्यर्थियों का भविष्य जुड़ा हुआ है। उन्होंने पेपर लीक करने में संलिप्त कोचिंग संस्थानों, संगठित अपराधियों और भर्ती संस्थानों के पदाधिकारियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही करने की आवश्यकता जताई। उल्लेखनीय है कि राज्यपाल मिश्र ने गहलोत को पेपर लीक प्रकरण और कोटा में कोचिंग संस्थाओं में छात्र-छात्राओं की आत्महत्या प्रकरणों में त्वरित संज्ञान लेकर कार्यवाही करने के लिए पृथक से पत्र भी लिखे हैं।

नेहा शेखावत ने जीता मिस इंडिया ग्लैम का खिताब

जयपुर. कासं

रविसूर्या ग्रुप एवं अनंता रिसोर्ट जयपुर प्रजेंट एसकेजे ज्वैलर्स मिस एंड मिसेज इंडिया ग्लैम, सीजन 4 का ग्रांड फिनाले अनंता रिसोर्ट जयपुर परिसर में संपन्न हुआ। 30 मिस एवं 10 मिसेज कैटेगरी की पार्टिसिपेंट्स के बीच हुए कड़े मुकाबले में मॉडल्स ने रैंप पर कैटवॉक कर अपना टैलेंट दर्शाया। मिस एंड मिसेज इंडिया ग्लैम के फाउंडर डायरेक्टर पवन टांक, सीईओ कीर्ति टांक, रविसूर्या ग्रुप के चेयरमैन रवींद्र प्रताप सिंह, पूर्व फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड सुपर मॉडल व बॉलीवुड अभिनेत्री सयाली भगत और बिग बॉस फेम मनु पंजाबी की मौजूदगी में नेहा शेखावत को मिस इंडिया ग्लैम सीजन 4 की विजेता घोषित किया गया। इनके अलावा अभिषेकता तंवर मिस इंडिया ग्लैम की फर्स्ट रनर अप, दीपिका सिंह सैकंड रनर अप एवं अंकिता राठौड़ थर्ड रनर अप चुनी गई। मिसेज इंडिया ग्लैम कैटेगरी में सोनू शेखावत को फर्स्ट रनर अप, गगनप्रीत कौर को सैकंड रनर अप चुना गया। साथ ही कविता चौधरी को मिस एवं अंजू यादव को मिसेज राजस्थान 2023 और रीना सिंह को मिस इंडिया ग्लैम इंटरनेशनल 2023 के टाइटल प्रदान किए गए।

परकोटे के लिए खुशखबरी

5 हजार गंदी गलियों की होगी सफाई

जयपुर. कासं। गुलाबी नगरी जयपुर के परकोटा निवासियों के खुशखबरी है। लंबे समय से कचरे से अटी पड़ी गंदी गलियों की हैरिटेज नगर निगम सफाई कराएगा। करीब 2 महीने में परकोटा की 5 हजार गलियां साफ की जाएगी। इस काम पर करीब 25 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। हैरिटेज नगर निगम महापौर मुनैश गुर्जर और किशनपोल विधायक अमीन कागजी ने गुरुवार को वार्ड 65 में रामगंज बाजार में बड़ी मस्जिद रहमानिया के सामने प्रोजेक्ट की शुरूआत की। इस अवसर पर गुर्जर ने कहा कि परकोटे की गन्दी गलियां पिछले कई सालों से जर्जर अवस्था में थी व इनकी सफाई के लिए कोई प्रयास नहीं किए गए। इस वजह से इसके आसपास रहने वाले लोगों का जीना मुहाल हो गया है। अब इस प्रोजेक्ट के शुरू होने से किशनपोल, हवामहल व आदर्श नगर जोन के निवासियों को बहुत राहत मिलेगी। गुर्जर ने कहा कि निगम के पास संसाधनों की कमी है। इसके बावजूद शहरवासियों के कल्याण और उनकी वाजिब समस्याओं के निदान के लिए संसाधनों की कमी नहीं आने दी जाएगी। किशनपोल विधायक अमीन कागजी ने कहा कि पिछले 15 साल से परकोटे में न सीवरेज, न अस्पताल व न शिक्षा की बढ़िया व्यवस्था थी।

वरिष्ठ नागरिक तीर्थयात्रा योजना के तहत शुक्रवार को रामेश्वरम के लिए रवाना होगी 8वीं ट्रेन

एक हजार से ज्यादा वरिष्ठजन उठाएंगे निशुल्क यात्रा का आनंद

जयपुर. कासं। प्रदेश की लोकप्रिय वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के अन्तर्गत 8वीं ट्रेन शुक्रवार को सायं 4 बजे जयपुर के दुगार्पुरा रेलवे स्टेशन से रामेश्वरम के लिए रवाना होगी। ट्रेन में 1 हजार 50 से अधिक यात्री रामेश्वरम धाम के दर्शन कर तीर्थ यात्रा का लुत्फ उठाएंगे। देवस्थान मंत्री शकुंतला रावत ने कहा कि देवस्थान विभाग द्वारा बुजुर्ग यात्रियों की आरामदायक यात्रा के लिए सभी इंतजाम किए गए हैं। पूर्व में गई 7 ट्रेनों से आए यात्रियों से भी फीडबैक लेकर भी व्यवस्थाओं को बेहतर किया गया है। उन्होंने बताया कि 8वीं ट्रेन में अलवर, झुंझुनू, टोंक और दौसा जिले के यात्री भ्रमण करेंगे। रावत ने बताया कि इस ट्रेन में 900 यात्री जयपुर से और लगभग 150 यात्री वनस्थली स्टेशन से सवार होंगे। उन्होंने बताया कि ट्रेन में ट्रेन प्रभारी, अनुरक्षक और डॉक्टर की टीम हर समय उपलब्ध रहेगी। उन्होंने कहा कि यात्रा में लॉटरी की मुख्य सूची में चयनित यात्रियों को ही आमंत्रित किया गया था। उनमें से अनुपस्थित रहने वाले यात्रियों के स्थान पर वेटिंग वाले यात्रियों को मौका दिया जाएगा।

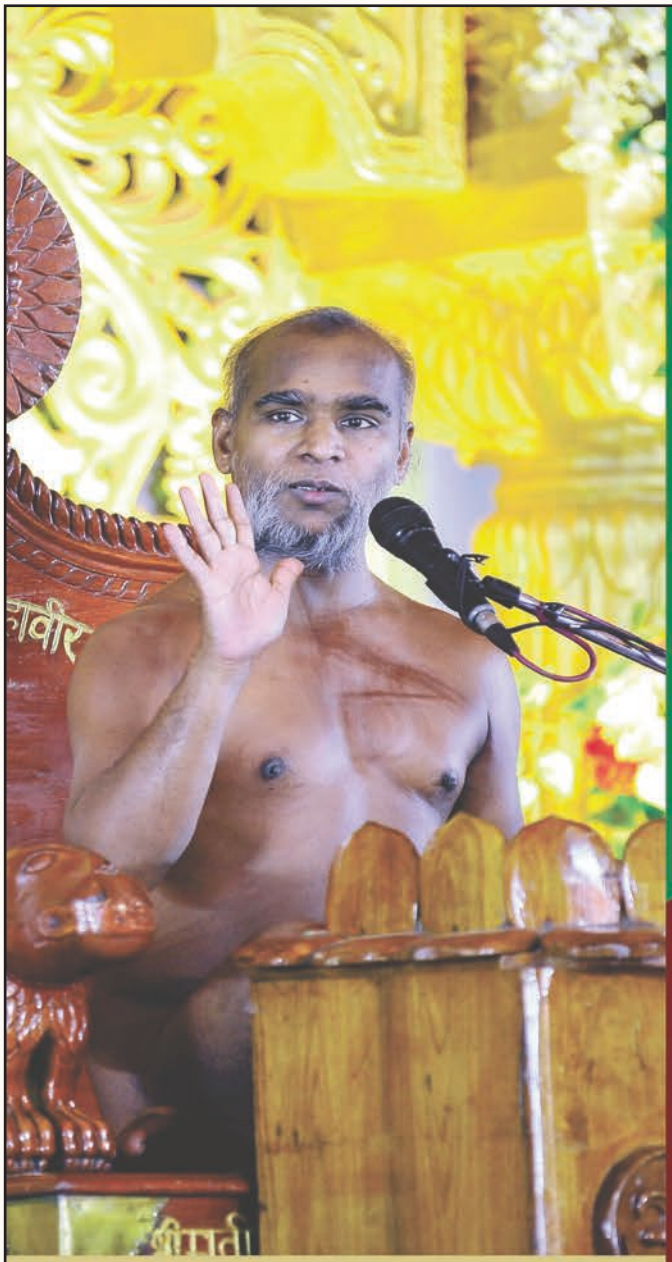

श्रीयुत् धर्मानुरागी महानुभावों,

सादर जय जिनेन्द्र।

निवेदन है कि संतशिरोमणी आचार्य श्री 108 विद्यासागरजी महाराज के सुयोग्य शिष्य निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री 108 सुधासागरजी महाराज की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से पूर्ण विकसित श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी सांगानेर, में राजस्थान सरकार द्वारा राजकीय अतिथि का सम्मान प्राप्त आचार्य श्री 108 सुनीलसागरजी महाराज संसघ लगभग 60 पिच्छी, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी में दिनांक 30.12.2022 को प्रातः 8.00 बजे पधार रहें है।

सभी साधर्मी बन्धुओं से अनुरोध है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर आचार्य संघ की अगुवानी करें और मन्दिर संघीजी में भव्य लवाजमें के साथ मंगल प्रवेश करवावें।

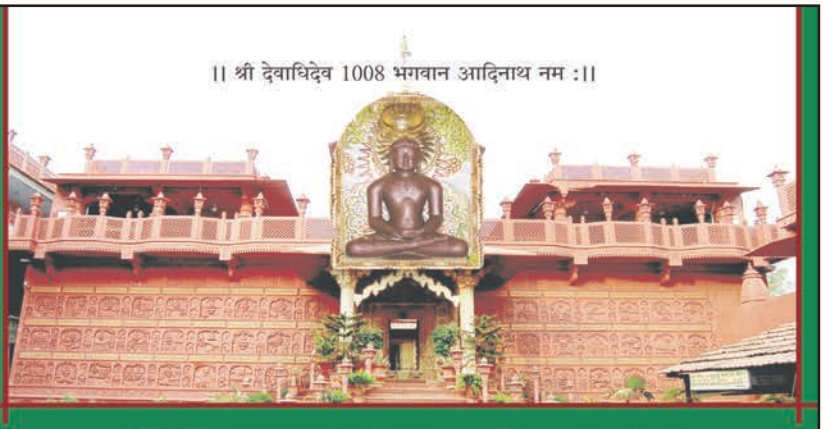

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी, सांगानेर, जयपुर

आचार्य श्री 108 सुनीलसागरजी महाराज, ससंघ

सांगानेर की पुण्य धरा पर

60 पिच्छी

भव्य मंगल प्रवेश

दिनांक 30-12-2022
प्रातः 8.00 बजे

: आयोजक :
प्रबन्ध कारिणी कमेटी
श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी, सांगानेर जयपुर

निवेदक : सकल दिगम्बर जैन समाज, सांगानेर, जयपुर

जेएसजी विनश के नितिन बनेठा पुनः दो वर्ष के लिए अध्यक्ष निर्वाचित

जयपुर. शाबाश इंडिया

जेएसजी विनश के दो वर्ष के लिए हुए चुनाव मे नितिन बनेठा पुनः दो वर्ष के लिए अध्यक्ष तथा उनकी पूरी टीम भी निर्विरोध निर्वाचित घोषित की गई। ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष रविंद्र बिलाला ने बताया कि गत वर्ष की टीम को ग्रुप के कार्यकारणी सदस्यो द्वारा पुनः 29 दिसम्बर को सर्व सम्मति से वर्ष 2023 - 24 के लिए पुनः निर्वाचित घोषित किया गया। नई टीम मे नितिन - निशा बनेठा अध्यक्ष, हरीश -शशि जैन उपाध्यक्ष, मनीष -चीनू लुहाड़िया सचिव, निधि -अजय बड़जात्या सयुक्त सचिव, महेंद्र -नीलम सोगानी कोषाध्यक्ष, कार्यकारणी सदस्य :- राजीव - विनीता जैन, राजीव -नवीना जैन, सुनील -अंजू सेठी, संदीप -रोहिणी सोगानी, सुरेन्द्र -रतनप्रभा जैन, लक्ष्मीविजय -रेणु गंगवाल, पायल - दीपक बिलाला, अनिता- मनोज जैन को पुनः कार्यकारणी के लिए चुना गया ।

दुगार्पुरा जैन मंदिर में आचार्य श्री सुनील सागर जी महा मुनिराज के गुरुवार को मंगल प्रवचन हुए

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य श्री सुनील सागर जी महा मुनिराज के मंगल प्रवचन का शुभारंभ गुरुवार दिनांक 29 दिसम्बर को श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुगार्पुरा जयपुर में हुए। चित्र अनावरण दीप प्रज्जवलन जे. के. जैन कालाडेरा, श्रीमती कान्ता गोधा, परिवार ने किया। आचार्य श्री के पाद प्रक्षालन का पुण्यार्जन हर्ष चन्द मनोज कुमार जैन सोगानी परिवार ने एवं जिनवाणी भेंट करने का पुण्यार्जन प्रकाश चन्द जैन किरण जैन काला लुनियावास वालों ने प्राप्त किया। भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी, नगर निगम ग्रेटर के आयुक्त श्रीमान महेंद्र जी सोनी साहब ने आचार्य श्री को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। राजीव सीमा गाजियाबाद, पवन कुमार गोधा अध्यक्ष संकटहरण पार्श्वनाथ मंदिर दिल्ली ने श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। अतिशय क्षेत्र संघी जी मंदिर सांगानेर सहित विभिन्न मंदिरों के अध्यक्ष मंत्री ने कार्य कारिणी व समाज के साथ आचार्य श्री को श्रीफल भेंट किये। आचार्य श्री ने मंगल प्रवचन में वात्सल्य रत्नाकर आचार्य श्री विमल सागर जी के जीवन के संस्मरण सुनाते हुए कहा कि उनका णमोकार महामंत्र में अटूट विश्वास था। भय को णमोकार महामंत्र से जीता जा सकता है। आचार्य श्री के पास ऋद्धियां थी, वात्सल्य बहुत था। वे कहते थे ब्रम्हचर्य पिता, दया पत्नी और ढ़ेर सारे गुण मेरे पुत्र हैं। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र कुमार जैन काला ने बताया कि दोपहर 1बजे से वात्सल्य रत्नाकर आचार्य श्री 108 विमल सागर जी महा मुनिराज का समाधि स्मृति दिवस पर संगीत के साथ चोसठ ऋद्धि मण्डल पूजा एवं विनयांजलि का विशेष आयोजन हुआ। विधान में सोधर्म इन्द्र इंद्राणी का पुण्यार्जन सुनील कुमार जैन श्रीमती माया जैन संगही ने प्राप्त किया। विनयांजलि में पंडित चन्दन मल जैन ने गद्य में सर्व प्रथम आचार्य श्री विमल सागर जी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला।

सरावगी समाज की मीटिंग का आयोजन

8 जनवरी को होगा पात्र चयन समारोह

टोंक. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन खंडेलवाल सरावगी समाज टोंक की एक साधारण मीटिंग का आयोजन बुधवार सायंकाल शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर चौधरियन पुरानी टोंक में किया गया। समाज के प्रवक्ता राजेश अरिहंत ने बताया कि मीटिंग की अध्यक्षता रमेश छाबडा ने की। मीटिंग में 8 जनवरी को शांतिनाथ मंदिर में पात्र चयन समारोह आयोजित करने पर चर्चा की गई जिसके अंतर्गत 8 जनवरी को प्रातः भगवान शांतिनाथ, मुनीसुव्रतनाथ, आदिनाथ महावीर स्वामी का अभिषेक शांतिधारा एवं पूजन के पश्चात प्रातः 10 बजे शांति विधान मंडल की पूजा का आयोजन होगा । पूजा के दौरान सौधर्म इंद्र, कुबेर इंद्र, यज्ञ नायक महेंद्र इंद्र सहित विभिन्न पात्रों का चयन बोली के माध्यम से किया जाएगा। सायंकाल श्री जी के कलशाभिषेक किए जाएंगे एवं समाज के सामूहिक भोज का आयोजन होगा। मीटिंग में दिगंबर जैन वर्धमान पाठशाला के जीर्णोद्धार एवं पाठ शाला के कुशल संचालन के लिए भी चर्चा की गई । समाज के संगठन को मजबूत एवं एकजुट रखने पर चर्चा की गई मीटिंग में मोनू चौधरी, सतीश चौधरी, मिलापचंद, रमेश अनोपड़ा, नरेश, पवन, सौरभ,नीरज, रमेश, सतीश ,पदम राजकुमार चौधरी, महेंद्र पाटनी अशोक छाबड़ा मनोज सोनी विनोद जयपुरिया, चेतन बिलासपुरिया, पवन जैन, बाबू सेठी, पदम कासलीवाल सहित टोंक शहर की विभिन्न कॉलोनियों के समाज बंधु मौजूद थे ।

श्री दिगम्बर जैन अंतिशय क्षेत्र मंदिर संघी जी में आज होगा आचार्यश्री सुनील सागर महाराज का मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया

सांगानेर स्थित श्री दिगम्बर जैन अंतिशय क्षेत्र मंदिर संघी जी में आचार्य श्री सुनील सागरजी महाराज का सांगानेर की पुण्य धरा पर 60 पिच्छियों के साथ मंगल प्रवेश शुक्रवार को सुबह 8 बजे होगा। इस मौके पर आचार्यश्री के सानिध्य में 31 दिसम्बर व 1 जनवरी को अनेक धार्मिक आयोजन होंगे। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रेमचंद बज व मानद मंत्री सुरेश कासलीवाल ने बताया कि आचार्यश्री के ससंघ सानिध्य में 31 दिसम्बर को साम 6.30 बजे 108 दीपकों से सामूहिक आरती की जाएगी। इसके बाद सांगानेर वाले बाबा का चित्र अनावरण, दीप प्रज्जवलन,के बाद पिंकसिटी अवार्ड विनर नरेन्द्र जैन एंड पार्टी व श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के विद्यान किरण प्रकाश जैन भजन,नृत्य,मंत्र जाप द्वारा वर्ष 2023 में प्रवेश व मूल नायक बाबा आदिनाथ भगवान के द्वार खोलने व प्रथम महाआरती की जाएगी। मंदिर प्रबंध समिति के समन्वयक नरेन्द्र बज व नरेन्द्र पांडया ने बताया कि आयोजन के तहत एक जनवरी को सुबह 730 बजे 1008 महाअतिशयकारी भगवान आदिनाथ का नूतन वर्ष में महामस्तकाभिषेक के बाद सुबह 9 बजे दीप प्रज्जवलन,शास्त्र भेंट व आचार्यश्री सुनील सागर जी महाराज के मांगलिक प्रवचन होंगे। इसीदिन दोपहर में 1.10 बजे संगीतमय भक्तामर विधान नवीन जैन व नरेन्द्र कुमार जैन एंड पार्टी करवाएंगी। उन्होंने बताया कि इस मौके पर मुख्य अतिथि दिगम्बर जैन श्रेष्ठ सुशील सुशीला जैन मोदी नगर होंगे। विशिष्ठ अतिथि महेन्द्र कुमार,मनीश कुमार जैन परिवार रेवाड़ी,समाजश्रेष्ठी नंद किशोर ,प्रमोद जैन पहाड़िया जयपुर व राजीव जैन गाजियाबाद जयपुर होंगे। इस मौके पर सम्माननीय श्रेष्ठियों में अजय,विजय व संजय कटारिया, उत्तम, तपेश व लोकेश पांडया, मोहित राणा, शैलेन्द्र व निशांत गोधा व परिवार समाचार जगत, नरेश कुमार, राजेश कुमार व जिनेश रांवका व शीतल कटारिया केकड़ी वाले होंगे।

जेएसजी कैपिटल ग्रुप के निर्विरोध चुनाव सम्पन्न

अनिल रांवका अध्यक्ष, प्रमोद जैन सचिव बने

जयपुर. शाबाश इंडिया

जेएसजी कैपिटल ग्रुप के सत्र 23-25 के आज पदाधिकारी के चुनाव चुनाव अधिकारी नरेश रांवका के सानिध्य मे निर्वरोध सम्पन्न हुए। ग्रुप के वर्तमान अध्यक्ष अमर जैन के अनुसार निम्न पदाधिकारी निर्वाचित घोषित हुएः अध्यक्ष अनिल- प्रेमा रांवका, उपाध्यक्ष राजेंद्र- मेनका पांड्या, सचिव प्रमोद- सुनीता जैन, संयुक्त सचिव राजकुमार- रेणु बड़जात्या, कोषाध्यक्ष डॉ मनीष- अनिता जैन । सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को संस्थापक अध्यक्ष सुभाष चंद पांड्या ने माल्यार्पण कर बधाई दी ।

वेद ज्ञान

उमंग का स्रोत

उमंग का स्रोत अवचेतन हृदय होता है। असली संपदा तो हृदय की सद्भावनाएं, संवेदनाएं और उनसे जन्मी कलाएं ही हैं। संगीत जीवन को उमंग से भरने वाली ऐसी ही कला है। मनुष्य की उत्पत्ति कब हुई इस संदर्भ में विभिन्न प्रकार के विचार है, लेकिन लिखित भाषा का इतिहास सिर्फ पांच हजार वर्ष पुराना है। इसलिए हमारी सभ्यता में हर जरूरी जानकारी को गद्य या पद्य रूप में याद रखने और उसे पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित करने की परंपरा रही और यहीं से लोकभाषा, लोक-संगीत और लोककथाओं का जन्म हुआ। पुराने ग्रंथ गीत रूप में हैं, उन्हें श्रुति और स्मृति कहा जाता है, क्योंकि उन्हें सुनकर और याद रखकर ही संरक्षित रखा गया था। वेद और उपनिषद पद्य में ही हैं। मस्तिष्क में गद्य और पद्य की स्मृतियां अलग-अलग जगहों पर संग्रहित होती हैं। गीत हृदय की गहन भावनाओं से जुड़े होते हैं। बुद्ध और महावीर को उपदेश देने के लिए पहली बार गद्य भाषा का उपयोग करना पड़ा। ऐसा इसलिए, क्योंकि उस युग तक मनुष्य का मस्तिष्क काफी सक्रिय हो चुका था। तार्किक शैली में कही बात ही बुद्धिमान लोगों को हजम होती थी। छोटे बच्चों को समझाने के लिए रंगीन चित्र, कविताएं और कथाएं ज्यादा उपयोगी होती हैं। ऐसा भी नहीं कि उम्र बढ़ने पर हमारा मस्तिष्क एकदम प्रौढ़ हो जाता है। एक छोटा-सा हिस्सा तर्क से प्रभावित होता है, किंतु बड़ा हिस्सा प्रेम से ही संचालित रहता है। बड़े-बड़े गणितज्ञों और वैज्ञानिकों के जीवन में भी भावनाओं की ही प्रधानता रहती है। दफ्तर या प्रयोगशाला में अवश्य वे अपने दिमाग का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन उनके शेष जीवन पर दिल का ही वर्चस्व रहता है। इसलिए विख्यात वैज्ञानिकों की जीवनी पढ़कर हैरानी होती है कि उनमें सामान्य जन से कितनी अधिक भावप्रवणता, दयालुता, स्नेह और करुणा रही है। संगीत, कला, सौंदर्य, काव्य आदि में उनकी विशेष रुचि रही है। विज्ञान से उनका लगाव भी उनके प्रेमपूर्ण हृदय की संवेदनशीलता का ही फैलाव है। इसलिए हमें भावातीत नहीं, मनातीत होना है। भावों का नहीं, अपने विचारों का अतिक्रमण करना है। हां, भावनाओं के परिष्कार के प्रयास जरूर हों, क्योंकि जीवन का शृंगार उन्हीं से है।

संपादकीय

दम तोड़ते सपने....

छात्रों द्वारा की गई आत्महत्याओं से जुड़ी नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो की एक रिपोर्ट हाल में आई है। इसके अनुसार 2022 में छात्रों ने सबसे अधिक आत्महत्याएं की हैं। 2021 के मुकाबले छात्रों की आत्महत्याओं में इस साल 4.5 प्रतिशत वृद्धि दर्ज हुई। आंकड़े यह भी बताते हैं कि 2016 से 2021 के बीच छात्र आत्महत्या के मामलों में 27 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस साल महाराष्ट्र और तमिलनाडु की तुलना में छात्रों ने राजस्थान के कोटा में सबसे अधिक आत्महत्याएं की हैं। इस साल अकेले कोटा में ही अब तक 15 आत्महत्याएं हुई हैं। विगत एक सप्ताह में वहां प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे तीन नाबालिग छात्रों ने परीक्षा के दबाव में आत्महत्या कर ली। उनमें दो बिहार से थे और कोटा में आसपास रहते हुए इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहे थे। इन दोनों ने फांसी लगाकर जान दी। तीसरा छात्र मध्य प्रदेश से था, जो नीट परीक्षा की तैयारी कर रहा था। उसने जहर खाकर जान दे दी। निश्चित ही देश एवं समाज के सामने यह गंभीर चिंता का विषय है। सच यह है कि विगत चार दशकों में कोटा में कोचिंग संस्थान एक उद्योग का रूप ले चुके हैं। इसका कुल सालाना बजट तकरीबन दो से तीन हजार करोड़ रुपये का है। कोटा के ये कोचिंग संस्थान आज लाखों की रोजी-रोटी का साधन तो बने ही हैं। साथ ही देश के तमाम टेक्नोक्रेट अपने - अपने सम्मानजनक तकनीकी संस्थान छोड़कर आज इन संस्थानों से जुड़ रहे हैं। कोटा में ऐसी फैकल्टी का वेतन 20 से 30 लाख रुपये सालाना है, लेकिन ऐसा लगता है जैसे कोटा परीक्षा की तैयारियों के साथ-साथ अब आत्महत्याओं का हब भी बन रहा है। कोटा में जिस प्रकार बच्चों में आत्महत्या करने का ग्राफ बढ़ रहा है उससे अब कोटा की कोचिंग व्यवस्था पर सवाल उठने शुरू हो गए हैं। पिछले पांच वर्षों में कोटा में 77 बच्चे आत्महत्या कर चुके हैं। कोटा पुलिस से जुड़े आंकड़े बताते हैं कि 2011 में छह, 2012 में 11, 2013 में 26, 2014 में 14, 2015 में 20, 2016 में 17, 2018 में 19 तथा 2019 में 18 बच्चों ने खुदखुशी की। कोटा की कोचिंग व्यवस्था को देखकर भविष्य में इन घटनाओं के और अधिक बढ़ने की आशंका है। कोटा में हर वर्ष तकरीबन डेढ़ लाख किशोर विभिन्न कोचिंग संस्थानों में प्रवेश लेते हैं। उनका सपना उच्च प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने और उसको उत्तीर्ण करने से जुड़ा होता है। उनकी कोचिंग पर प्रत्येक अभिभावक हर वर्ष औसतन ढाई से तीन लाख रुपये खर्च करते हैं। कई मामलों में अभिभावक कोचिंग की फीस बैंक या अन्य जगहों से ऋण लेकर भी चुकाते हैं। इसलिए कई बार कोचिंग से जुड़े ये छात्र अपने परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति को लेकर भी काफी दबाव में रहते हैं। कई अध्यापक कोचिंग में अच्छा प्रदर्शन करने वाले प्रतियोगी छात्रों को अग्रिम पंक्ति में बैठाकर उन पर अधिक ध्यान देते हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

नशे के कारोबार पर प्रहार...

संसद के शीतकालीन सत्र में देश में मादक पदार्थों के चलन और इस संबंध में सरकार की ओर से उठाए गए कदमों पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने देश को आश्वस्त किया कि दो वर्षों में देश के बड़े ड्रग्स माफिया और नशे के तस्कर सलाखों के पीछे भेज दिए जाएंगे। इस अवसर पर उन्होंने नशे के कारोबार पर रोक लगाने के लिए पिछले कुछ वर्षों में मोदी सरकार की ओर से लिए गए नीतिगत निर्णयों से भी सदन को अवगत कराया। उनके कथन से यह झलका कि मादक पदार्थों की तस्करी ने जिस चुनौती का रूप धारण कर लिया है, मोदी सरकार उसका सामना करने के लिए तैयार है। यह किसी से छिपा नहीं कि मादक पदार्थ विदेश से तस्करी करके देश में लाए जा रहे हैं। वे हर संभव रास्ते से लाए जा रहे हैं। सबसे अधिक नशा समुद्री रास्ते से आ रहा है। मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो यानी एनसीबी ने सतर्कता बढ़ाने के साथ अपनी कार्यप्रणाली बदली है। इसके अलावा इस एजेंसी ने अन्य एजेंसियों के साथ अपना तालमेल बढ़ाने के साथ आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करना शुरू किया है। चूंकि एनसीबी का सहयोग राष्ट्रीय जांच यानी एनआइए भी कर रही है, इसलिए नशे के कारोबार का जो अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क है, उस पर भी निगाह रखने में आसानी हो रही है। भारत सरकार नशे की तस्करी रोकने के लिए दूसरे देशों से सहयोग ले भी रही है और दे भी रही है। इसी का नतीजा है कि नशे की बरामदगी बढ़ने के साथ नशीले पदार्थों की तस्करी करने वालों की धरपकड़ तेज हुई है। जहां संप्रग सरकार के कार्यकाल में 2006 से लेकर 2013 तक साढ़े 22 लाख किलो ड्रग्स बरामद की गई थी, वहीं 2014 से लेकर अभी तक 62 लाख किलो से अधिक ड्रग्स पकड़ी गई। इसी अनुपात में नशा तस्करों की गिरफ्तारी भी बढ़ी है। स्पष्ट है कि केंद्र सरकार नशा तस्करी के खिलाफ कहीं अधिक सक्रिय दिख रही है। चूंकि सीमांत राज्यों से बड़ी मात्रा में नशे की तस्करी हो रही है, इसलिए सीमा की सुरक्षा करने वाले बलों को अधिक अधिकार दिए गए हैं। उन्हें नशा तस्करों की गिरफ्तारी के साथ मामला दर्ज करने का भी अधिकार दिया गया है। यह इसलिए उचित फैसला है, क्योंकि यदि यह काम एनसीबी या फिर किसी अन्य एजेंसी को सौंपा जाता तो यह एक खचीर्ला उपाय होता। जब सीमाओं की रक्षा करने वाले बलों को नशे की तस्करी रोकने के और अधिकार देने के गृह मंत्रालय के फैसले की प्रशंसा होनी चाहिए, तब कुछ राज्यों को इस पर आपत्ति है कि इन बलों को नशा तस्करों के खिलाफ मामला दर्ज करने का अधिकार क्यों दिया गया? कुछ राज्यों ने ऐसी ही आपत्ति तब जताई थी, जब सीमा सुरक्षा बल के कार्यक्षेत्र का दायरा बढ़ाया गया था। आखिर केंद्रीय बलों को और सक्षम बनाने के कदम का विरोध करने का क्या औचित्य? राज्य सरकारों को यह समझना होगा कि नशे के कारोबार से निपटने में तभी सफलता मिलेगी, जब उनकी एजेंसियां केंद्रीय एजेंसियों को भरपूर सहयोग प्रदान करेंगी। राज्य सरकारों को नशे की तस्करी रोकने के लिए वैसी ही प्रतिबद्धता दिखानी होगी, जैसी केंद्र सरकार दिखा रही है। केंद्र सरकार राज्यों से लेकर जिला स्तर पर ड्रग्स के खिलाफ ढांचा तैयार करने के लिए नारकोटिक्स कोआर्डिनेशन कमेटी बना रही है।

जैन समाज को भावनात्मक आत्मीय सन्देश

शब्द मौन से ज्यादा कीमती हो, तब बोलकर..अन्यथा सरकार का मौन होकर विरोध प्रदर्शन करना चाहिए: अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी

सम्मेद शिखरजी. शाबाश इंडिया

शाश्वत तीर्थराज सम्मेद शिखरजी के लिये गाँव, शहर, नगर और देश में जो विरोध प्रदर्शन हो रहा है, यह सब शासनिक, प्रशासनिक, राजनैतिक दांव पेंच है, इसके अलावा कुछ नहीं है। जिसमें सब कुछ उलझा हुआ है, कुछ भी स्पष्ट नहीं है। विरोध प्रदर्शन करने वालों को यह नहीं पता कि वह विरोध किस चीज का कर रहे हैं? मन्च के वक्ताओं को नहीं पता कि उन्हें बोलना क्या है? और हमारी मांग क्या है? केंद्र सरकार हो या राज्य सरकार, दोनों का एक ही लक्ष्य है, कि जैन समाज की इस आवाज को, बिगड़ते माहौल को, तीर्थराज सम्मेद शिखर की स्वच्छता, पवित्रता एवं मधुबन को अहिंसक क्षेत्र बनाने के लिये इस विरोध प्रदर्शन को, इस आंदोलन को कैसे शांत किया जाये, ये उनकी राजनीति की रणनीति है। देश की जैन समाज ने जो आंदोलन किया, वह अद्भुत, अद्वितीय और सराहनीय कार्य है - जो आपने संगठित होकर सम्पूर्ण देश और केन्द्र सरकार को दिखा कर एक बेजोड़ उदाहरण प्रस्तुत किया। तीर्थराज सम्मेद शिखर की वास्तविकता, हकीकत और सच्चाई से आप हम सब अनभिज्ञ हैं। जैन समाज और सरकार की सोच में जमीन आसमान का अंतर है। तीर्थराज सम्मेद शिखर के इतिहास से, वर्तमान और भविष्य की वास्तविकता से अनभिज्ञ होते हुये आप से जो जैसा बोल देता है, हम वैसा सच मानकर उसे सोशियल मीडिया का मसाला बना देते हैं। एक ने कहा - हुआ, तो सब चिल्लाने लगे -- हुआ हुआ हुआ। पर क्या हुआ, यह किसी को नहीं पता कि क्या हुआ? सबसे बड़े आश्चर्य की बात तो यह है कि झारखंड, बिहार व बंगाल में देश के विरोध प्रदर्शन का कोई भी असर नहीं था, ना ही कोई प्रभाव पड़ा। यहां सब कुछ वैसा ही चल रहा है, जैसे चल रहा था और वैसा ही चलता रहेगा, जैसा चल रहा है। यहां पर शासन, प्रशासन और लोकल जैन समाज को कोई भी चिन्ता नहीं है। तीर्थराज सम्मेद शिखर पहाड़ आज वर्तमान में केंद्र सरकार द्वारा पारसनाथ वन्य अभ्यारण्य झारखण्ड है, जिसका वन मण्डल हजारीबाग है, और इसका अधिकारी है DFO, जो IFS (इंडियन फॉरेस्ट सर्विस) का अधिकारी होता है। वन विभाग के अपने नियम कानून हैं। वह ना किसी की सुनते हैं, ना सुनना चाहते हैं। वन विभाग की अपनी एक गाइड लाइन है जिसे वह समग्रता से जीते हैं। अभी 18 दिसंबर, 2022 को केंद्र सरकार की ओर से बड़े अधिकारियों की एक टीम सर्वेक्षण के लिए आई थी, उसमें सभी कद पद वाले बुद्धिजीवी, बडे.अधिकारी थे। उन्हें पारसनाथ पर्वत के सन्दर्भ में अपनी रिपोर्ट देनी थी केंद्र सरकार को। महापारणा महा प्रतिष्ठा के सचिव आकाश जैन उन सभी अधिकारियों को मेरे पास लेकर आये। सभी अधिकारियों ने नमन वन्दन किया। हमने सभी को आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा - गुरूदेव हम लोग केन्द्र सरकार की ओर से यहां सर्वेक्षण के लिये आये हैं। आपका मार्गदर्शन चाहिए। हमने कुछ महत्वपूर्ण बिन्दू उनको लिखकर दिये जिसे आकाश सर ने पढ़कर सुनाये। उन्होंने बहुत सी गूढ़ बातें कही जो हम इसमें उल्लिखित नहीं कर सकते। क्योंकि वह एक ऑफिशियल विजिट थी... तीर्थराज सम्मेद शिखरजी के कुछ ऐसे मुद्दे और बातें हैं जो 90% दिगम्बर जैन के लोगों को नहीं पता।

सौ बात की एक बात ...

तीर्थराज सम्मेद शिखर की समस्याओं का समाधान केवल और केवल कानूनी तौर तरीके से ही हो सकता है, अन्यथा जंगल में मोर नाचते किसने देखा-? क्योंकि यहाँ बहुत से मेटर ऐसे हैं जो

आपस में उल्झे हुये हैं, कुछ मेटर कानूनी रूप से उलझे हुए हैं तो कूछ मेटर आपस में। यहाँ पर किसी एक संस्था का अस्तित्व नहीं है, यहां डोली वालों का, मजदूर संगठन का भी हस्तक्षेप है और सभी अपने-अपने तरिके से इस पर्वत पर मालिकयत हक जमाते हैं। जैसे ---

1. दिगंबर तीर्थ क्षेत्र कमेटी में 13/20 पन्थ की मालिकयत।
2. आनद जी कल्याण जी पेढ़ी की अपनी मालिकयत।
3. जैन श्वेताबर सोसायटी की अपनी मालिकयत।
4. वन्य जीव अभ्यारण्य की अपनी मालिकयत। (वाइल्ड लाइफ सैंक्चुअरी, दिल्ली)
5. राज्य वन विभाग गिरिडीह की अपनी मालिकयत।
6. राज्य पर्यटन विभाग झारखण्ड की अपनी मालिकयत।
7. लोकल ग्रामीण आदिवासियों की अपनी मालिकयत।
8. डोली, मजदूर संस्थाओं की अपनी मालिकयत।

ये सब ऐसे लोग हैं, जिनका पारसनाथ पहाड़ से सीधा सम्बन्ध है। सबकी अपनी ढपली अपना राग, एक अनार सौ बिमार वाली कहावत यहाँ चरितार्थ हो रही है। यदि किसी एक संस्था ने कुछ भी कार्य किया तो दूसरी संस्था तुरन्त विरोध केस लगा देती है और अच्छे कार्य को बाधित करा देती है। हम 01 मार्च, 2022 को पारसनाथ की स्वर्ण भद्र कूट पर आये थे - तप साधना करने के लिये। चरणों में बैठे थे, आंखें पारसनाथ भगवान के चरणों को देख रही थी। मन में विचार आया कि जब हम 2001 में आये थे तब भी यह टोंक ऐसी ही थी और आज भी ऐसी ही है। क्यों ना इसके नाम को सफल सार्थक करके स्वर्ण मयी बनवा दिया जाये। हमने रामपुरिया जी और शिखर चंद जी को बुलवाया और मन की बात कही। दोनों लोगों ने सहज ही मेरी भावना को समझा और बोले, गुरूदेव जो आपकी आज्ञा, और देखते देखते पारसनाथ टोंक वाकई में स्वर्ण भद्र कूट बन गई। एक शाम पारसनाथ मन्दिर के बाहर बैठकर सामायिक कर रहा था, नजर पड़ी चौपड़ा कुण्ड पर - सामायिक में प्रार्थना की - हे वन देवता, पर्वत के रक्षक देवी देवता, यदि मेरी तप साधना में सच्चाई हो तो जिनके पास चौपड़ा कुण्ड मन्दिर की चाबी है, उनको मेरे पास लेकर आओ। आकाश सर सुबह आकर बोलते हैं गुरूदेव चौपड़ा कुण्ड के स्टाफ आप से मिलना चाहते हैं। हमने कहा - शाम को बुला लो। आकाश सर ने उनको मैसेज दिया और द्वारका , अजित राय अपनी टीम के साथ पारसनाथ भगवान के चरणों में आये। हमने उनसे लिखकर कहा - इसमें भगवान का क्या दोष है भाई-? ना भगवान का अभिषेक हो रहा, ना पूजा-पाठ, ना आरती, ना साफ सफाई। आप लोग क्या चाहते हैं -? अजित राय और द्वारका एक स्वर में बोले, हे गुरूदेव - आप जो कहेंगे हम वैसा कर देंगे। खुशी से मेरी आँख छलछला गई। हमने कहा - हम आपकी सभी मांग पूरी करेंगे, आप मन्दिर को खोल दो। अक्षय तृतीय के दिन उन्होंने 42 महिने से बन्द परमात्मा को बन्धन मुक्त कर दिया। और यह एक संयोग ही कहो कि मेरे 16 उपवास का पारणा था और हमने वहीं से दर्शन किये, अभिषेक देखा और पारणा के लिये गणधर टोंक पर आ गये। चौपड़ा कुण्ड की जर जर स्तिथि को देखकर मन में आया कि इसका जीर्णोद्धार करवा देना चाहिए, और काम भी शुरू करवा दिया। आधा काम हुआ ही था कि हमारे अपने ही कुछ लोगों ने काम रूकवा दिया।

नीचे सम्मेदाचल जिनालय के द्वार खुलवाये, वहां की साफ-सफाई चल ही रही थी कि कुछ तथाकथित लोगों ने रातों रात नयी समिति बनाई और पुलिस को भेज दिया कि ये लोग यहां पर अनाधिकृत अधिकार जमा रहे हैं और वहां भी काम रूकवा दिया। हमने 35 साल के सन्यास काल में कोई गिरी गिरा नहीं बनाये, कोई मठ संस्था नहीं बनाई, कोई गुमराह तन, सिद्धायतन नहीं बनाया, ना कभी फण्ड इक्ट्ठा किया, ना कभी पूजा, विधान, मुर्ति, शान्तिधारा को व्यापार बनाया। हाँ इतना जरूर करता हूं - जहां कहीं, जिस मन्दिर, या तीर्थ क्षेत्रों में जाता हूं और वहां कोई जरूरत या आवश्यकता होती है, तो अपने कुछ चुनिन्दा गुरू भक्तों से बोल कर वह कार्य करवा देता हूँ, और आगे निकल जाता हूँ। कहीं भी हमने अपनी मालिकयत का ठप्पा नहीं लगाया और ना कभी लगायेंगे। इसलिए मैं हमेशा बोलता हूँ - हमको श्वेताम्बर और सोनगढ़ वालों से जितना खतरा नहीं है, उससे ज्यादा खतरा तेरह पंथी की सोच से है।

आप पैसे से प्रशासन को खरीद सकते हैं,, किस्मत, कर्म और कानून को नहीं..

पैसे से जमीन खरीद सकते हैं,, किसी के जज्बात नहीं..

पैसे से पुस्तकें खरीद सकते हैं,, ज्ञान नहीं..

पैसे से भोजन खरीद सकते हैं, भूख नहीं..!

आज तीर्थराज सम्मेद शिखर पर न जाने कितने केस चल रहे हैं, सब अपना-अपना हक जमाते हैं। सबसे बड़ी बात तो यह है कि इतना सब कुछ होने के बाद भी पारसनाथ भगवान का अतिशय कहो या चमत्कार कि यहां लाखों जैन अजैन तीर्थ यात्री आते हैं, श्रद्धा भक्ति से दर्शन वन्दन करते हैं और अपनी मनोकामनाओं को पूर्ण करके चले जाते हैं। और भी बहुत कुछ ऐसा है जो हम ना लिख सकते, ना आपको बता सकते...आज जैन समाज को बहुत गम्भीरता के साथ चिंतन मन्थन और अध्ययन करने की आवश्यकता है।

कुछ चिन्तन बिन्दु

★ अजैन दर्शनार्थी की अत्यधिक भीड़ होने से पर्वत की अपवित्रता पर उनके विवेक का अभाव।

★ हमारी कमेटीयों के पदाधिकारीयों में आपसी सम्वाद - समन्वय की कमी।

★ पर्वत पर खान-पान और गन्दगी करने में सबसे ज्यादा दिगम्बर जैन भाइयों की महती भूमिका।

★ हमने देखा, जाना और अनुभव किया कि - 99% पर्वत की दुकानों पर श्वेताम्बर जैन यात्री ना कुछ खरीदते हैं, ना दुकानों पर खाते हैं, सिर्फ दिगम्बर जैन यात्रियों के अलावा।

★ साधु सन्त कितना भी प्रवचनो में, तीर्थ यात्रियों से कहें कि आप पर्वत पर ना कुछ खाये, ना कुछ खरीदे, ना ही रुपए पैसे का लेन देन करे, इतना कहने के बाद भी यह सब कार्य बड़े धड़ल्ले से रोज हो रहे हैं।

★ जैन श्वेताम्बर यात्री पेन्ट शर्ट में पारसनाथ भगवान के ना चरण छूते हैं, ना गर्भ गृह में जाते हैं। और दिगम्बर जैन यात्रियों का आप हाल ही मत पूछो मेरे भाई।

जैन बैंकर्स फोरम के सदस्यों ने आचार्य सुनील सागरजी से समाज हित में कार्यों के लिए प्राप्त किया आशीर्वाद

फोरम के जे के जैन कालाडेरा ने किया दीप प्रज्वलन

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम के सदस्यों ने गुरुवार को दुगार्पुरा जैन मन्दिर में प्रवासरत आचार्य श्री 108 सुनील सागर जी ससंघ से आचार्य श्री 108 विमल सागर जी महाराज के समाधि दिवस पर श्री फल भेंट कर प्रेरणा स्वरूप समाज हित में कार्य करते रहने के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया ।फोरम के अध्यक्ष भाग चन्द मित्रपूरा व कार्याध्यक्ष पदम जैन बिलाला के नेतृत्व में समाज में बैंकिंग व अल्पसंख्यक लाभों की जागरूकता व समाज सेवा में कार्यरत फोरम के बहुत से सदस्यों ने भक्ति के साथ आचार्य श्री को श्रीफल भेंट किया । आचार्य श्री ने धर्म सभा में पूर्व आचार्य विमल सागर जी के जीवन वृतांत बताते हुए फोरम को आशीर्वाद प्रदान किया । इससे पूर्व फोरम के उपाध्यक्ष व नेमिसागर जैन समाज के अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने फोरम के अन्य पदाधिकारियों के साथ चित्र अनावरण व दीप प्रज्वलन किया ।

वेदांता इंटरनेशनल स्कूल का वार्षिकोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया

वेदांता इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने रविवार, 25 दिसंबर 2022 को क्रिसमस कार्निवल के साथ-साथ आत्मा और कर्म की एक झलक ''कर्मात्मा'' थीम के साथ अपना वार्षिक दिवस समारोह मनाया, यह छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के लिए एक महान और यादगार अवसर था।इस आयोजन का आकर्षण 3डी प्रस्तुति थी जो जयपुर शहर के किसी भी शिक्षण संस्थान में पहली बार देखा गया कार्यक्रम है। थीम ''गीता सार'' के इर्द-गिर्द घूमती है, जो गीता का सार है, जिसे विभिन्न नृत्यों, गीतों, कृत्यों और संदेशों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया था। वर्तमान परिवेश में भगवत गीता की प्रासंगिकता को आश्चर्यजनक रूप से प्रस्तुत किया गया था।

बंगाली बाबा गणेश मंदिर पौष बड़ा महोत्सव 31 को

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिल्ली रोड स्थित बंगाली बाबा गणेश मंदिर विशाल पौषबड़ा महोत्सव का आयोजन 31 दिसम्बर को साम 3 बजे से किया जाएगा। इस मौके पर काफी संख्या में श्रद्धालू पंगत प्रसादी ग्रहण करेंगे। बंगाली बाबा आत्माराम ब्रह्मचारी गणेश मंदिर ट्रस्ट के संरक्षक रघुवीर शरण अग्रवाल मुन्नीजी व अध्यक्ष नारायण लाल अग्रवाल ने बताया कि इस मौके पर प्रथम पूज्य का नयनाभिराम श्रंगार कर पौषबड़ा प्रसादी का भोग लगाया जाएगा,साथ ही मंदिर परिसर में स्थित श्री स्वयं आत्माराम जलेश्वर महादेव मंदिर में झांकी सजाकर प्रसादी का भोग लगाया जाएगा। उपाध्यक्ष संजय गोयल पतंगवाले ने बताया कि इस मौके पर मंदिर परिसर को सजाया जाएगा।इस दौरान दिल्ली रोड,आगरा रोड के आसपास के श्रद्धालू प्रसादी ग्रहण करेंगे।

मंडल अधिवेशन की तैयारियां जोरों पर...

न्यू पेंशन स्कीम मुख्य मुद्दा

वेस्ट सेंट्रल रेलवे एंप्लाइज यूनियन का मंडल अधिवेशन 31 दिसंबर को गंगापुर सिटी में

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया। वेस्ट सेंट्रल रेलवे एंप्लाइज यूनियन का मंडल अधिवेशन 31 दिसंबर को गंगापुर सिटी में होने जा रहा है। यूनियन के मंडल अध्यक्ष लोकेंद्र मीणा ने यूनियन पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि कोटा मंडल के तुगलकाबाद, भरतपुर, बयाना, हिंडौन, श्री महावीरजी, गंगापुर सिटी, सवाई माधोपुर, लाखेरी, कोटा, बूंदी, बारां, श्यामगढ़ ,भवानीमंडी, विक्रमगढ़, आलोट स्टेशनों से सैकड़ों की संख्या में यूनियन पदाधिकारी और कार्यकर्ता इस अधिवेशन में भाग लेने के लिए गंगापुर सिटी आ रहे हैं। अधिवेशन में रेल कर्मचारियों की न्यू पेंशन स्कीम रद्द करने ,फ्रिज किए गए महंगाई भत्ते का पुनः भुगतान करने, कर्मचारियों की कार्य दशा सुधारने, रेलवे के रिक्त पदों को भरने, रेलवे कॉलोनी में रेल आवासों की मरम्मत के अभाव में हो रही दुर्दशा रोकने, रेलवे अधिकारियों की मनमानी सहित कई मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। आगामी सत्र के लिए प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। मंडल उपाध्यक्ष नरेंद्र जैन ने बताया कि अधिवेशन का उद्घाटन यूनियन के महामंत्री एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कॉमरेड मुकेश गालव प्रातः 10:00 बजे करेंगे।

प्रागैतिहासिक क्षेत्र नवागढ़ में नूतन वर्ष पर किया जाएगा विधान व शांतिधारा

आर्यिका वैराग्यमती माताजी ससंघ के सान्निध्य में होगा कार्यक्रम

ललितपुर. शाबाश इंडिया। महरौनी विकासखंड में सोजना के पास स्थित प्रागैतिहासिक दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र नवागढ़ में भगवान अरनाथ स्वामी के अतिशय चरणों में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की सुशिष्या परम पूज्या आर्यिका वैराग्यमती माताजी, प्रशममती, सहजमती,धवलमती माता जी के सान्निध्य में नव वर्ष की प्रातः कालीन बेला में आचार्य परमेष्ठी महामंडल विधान एवं शांतिधारा का आयोजन संपन्न किया जाएगा जिसमें क्षेत्रीय समाज के साथ गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहेंगे। क्षेत्र के निर्देशक ब्रह्मचारी जय कुमार निशांत जी के निर्देशन में पंडित अजीत कुमार शास्त्री एवं इंद्र कुमार शास्त्री के विधानाचार्यत्व में यह कार्यक्रम विधि विधान के साथ संपन्न होगा। क्षेत्र के अध्यक्ष सनत कुमार जैन एडवोकेट, महामंत्री योगेंद्र जैन बबलू, संयोजक वीरचंद जैन नेकौरा ,कोषाध्यक्ष नरेंद्रकुमार जैन मेनवार, क्षेत्र के मंत्री अशोक कुमार मैनवार ,सुरेंद्र कुमार सोजना, प्रचारमंत्री डॉ सुनील संचय ललितपुर आदि ने सभी से इस विधान में उपस्थित होकर पुण्य अर्जन हेतु अनुरोध किया है। कार्यक्रम के आयोजक प्रबंधकारिणी समिति, नवागढ़ गुरुकुलम, जैन युवा जागृति संघ, समस्त महिला मंडल एवं क्षेत्रीय समाज ने इस मंगलमय कार्यक्रम में उपस्थित होने का आह्वान किया है। नवागढ़ क्षेत्र कमेटी के प्रचारमंत्री डॉ सुनील संचय ने बताया कि पूज्य आर्यिका वैराग्यमती माताजी ससंघ पद विहार करते हुए 31 दिसम्बर को नवागढ़ पहुँच रहीं हैं जहाँ पर उनकी भव्य अगवानी की जाएगी।

कार्यक्रम के आयोजक प्रबंधकारिणी समिति, नवागढ़ गुरुकुलम, जैन युवा जागृति संघ, समस्त महिला मंडल एवं क्षेत्रीय समाज ने इस मंगलमय कार्यक्रम में उपस्थित होने का आह्वान किया है।

निवाई मे मुनि मर्यादा सागर महाराज की संल्लेखना के साथ समाधिमरण

गाजे-बाजे के साथ समाधिमरण मे उमड़ा जैन समाज। राष्ट्र गौरव सन्त आचार्य वर्धमान सागर एवं भारत गौरव आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के सानिध्य में हुआ समस्त कार्यक्रम।

निवाई. शाबाश इंडिया

सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान मे आचार्य वर्धमान सागर महाराज एवं आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के सानिध्य में गुरुवार को मुनि मर्यादा सागर महाराज का संल्लेखना पूर्वक समाधिमरण हुआ जिसमें देश भर से श्रद्धालुओं ने भाग लिया। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला व राकेश संधी ने बताया कि राष्ट्र गौरव आचार्य वर्धमान सागर महाराज के कुशल निर्यापकत्व मे समस्त संध के सानिध्य में अरिहंत सिद्ध श्रवण करते हुए समाधिमरण हुआ। जौंला ने बताया कि पंचम पट्टाधीश वात्सल्य वारिधि निर्यापकाचार्य आचार्य वर्धमान सागर महाराज एवं समस्त संध से क्षमा याचना कर मुनि मर्यादा सागर महाराज ने चारो प्रकार के आहार का त्याग कर यम संल्लेखना अंगीकार की। मुनि मर्यादा सागर महाराज का बुधवार की रात्रि मे समाधिमरण हुआ। मुनि श्री की सम्यक रुपेण आचार्य श्री के मुख से अरिहंत सिद्ध सुनते हुए समाधि हुई। विमल जौंला व पवन बोहरा ने बताया कि मुनि श्री के डोले के आगे कमण्डल लेकर भूमि शुद्धि करने का सोभाग्य पारस जैन परिवार जबलपुर को प्राप्त हुआ। जौंला ने बताया कि गुरुवार को सुबह क्षपक मुनि श्री मर्यादा सागर जी की डोल यात्रा का जुलूस गाजेबाजे के साथ निकाला गया जो निवाई के खारी कुंई चोहट्टा बाजार बिलाला चोक सब्जी मंडी बड़ा बाजार बस स्टैंड अहिंसा सर्किल होते हुए पारसनाथ उधान नसियां जैन मंदिर पहुंचा जहाँ मुनि श्री का अंतिम संस्कार किया गया।

श्री रमेश जी-वनीता जी जैन लुहाड़िया

सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

की वैवाहिक वर्षगांठ

(30 दिसंबर) पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: राकेश-समता गोदिका, **परामर्शक:** दिनेश-संगीता गंगवाल

वरिष्ठ उपाध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या, **सचिव:** अनिल - प्रेमा रांवका, **कोषाध्यक्ष:** अनिल - अनिता जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

महेश चौधरी को 'लम्पी योद्धा' सम्मान पत्र से सम्मानित किया गया

बैंगलोर. शाबाश इंडिया

कामधेनु राष्ट्रीय गौरक्षा समिति, राठोड़ी कलां, नागौर (राज.) द्वारा संचालित 'कामधेनु सेना' संगठन के संस्थापक श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी कुशालगिरी महाराज ने बैंगलोर की अनेक सामाजिक संस्थाओं से जुड़े, प्रमुख समाजसेवी एवं ऑल इंडिया भैरव दरबार के संस्थापक अध्यक्ष महेशकुमार चौधरी को लम्पी स्किन डिजीज महामारी के समय लम्पी से पीड़ित गौवंश के लिए अपने नजदीकी गौशालाओं में जाकर गौवंश को हरा चारा,लापसी, बांटा, पानी, गुड़, आयुर्वेदिक दवाईयां व आवश्यक उपचार कर गौसेवार्थ कार्य करने के लिए ''**लम्पी योद्धा**'' सम्मान पत्र से सम्मानित किया गया। इस महामारी के समय में महेशकुमार चौधरी ने जो निःस्वार्थ भाव से गौसेवा की है उसके लिए कामधेनु सेना संगठन आपको उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए आभार व्यक्त करता है।

Quote of the day

"कभी कभी हम अनजाने में वक्त पर पावं रख देते हैं इसीलिए ज़िंदगी मुहं के बल गिर जाती है।"

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

अश्वगंधा चूर्ण के फायदे और नुकसान क्या हैं?

शाबाश इंडिया

अश्वगंधा आयुर्वेद की सबसे ज्यादा प्रसिद्ध औषधियों में से एक है। अपने अगणित लाभों के कारण सदियों से यह पूरे विश्व में इस्तमाल की जा रही है। इसका वैज्ञानिक नाम विथानिया सोम्निफेरा है। यह इंडियन जिनसेंग और इंडियन विंटर चेरी के नाम से भी जानी जाती है। भारत में मुख्य रूप से इसकी खेती मध्यप्रदेश, पंजाब, राजस्थान व गुजरात में होती है। अश्वगंधा को संपूर्ण शरीर के लिए फायदेमंद माना जाता है।

अश्वगंधा सेवन के फायदे

१. रक्त शर्करा को नियंत्रण में रखता है: अश्वगंधा का सेवन रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित रखने में मदत कर शुगर के मरीजों के लिए फायदेमंद हैं। एक शोध के अनुसार, इसके उपयोग से इंसुलिन स्त्राव में बढ़ावा और मांसपेसियों में सुधार देखने को मिला।

२. जोड़ो के दर्द से दे राहत : अश्वगंधा में एंटीइंफ्लेमेटरी और दर्दनिवारक गुण होते हैं। इस गुण की वजह से अश्वगंधा की जड़ अर्थराइटिस से जुड़े सूजन, दर्द आदि लक्षणों को कम करती है।

३. तनाव, डिप्रेशन करे कम: तनाव को कम करने में अश्वगंधा बेहद मददगार औषधि है। यह मस्तिष्क की कार्यक्षमता बढ़ाने में भी काफी उपयुक्त है और दिमाग को ठंडा रखने में भी उपयोगी है।

४. कोलेस्ट्रॉल को करे कम: अश्वगंधा में एंटीआक्सीडेंट और एंटीइंफ्लेमेटरी गुण मौजूद होने के कारण ह्रदय से जुड़ी काफी समस्याओं से बचाने में मदत करती है। अश्वगंधा चूर्ण का सेवन करने से ह्रदय की मांसपेशियां मजबूत और खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद मिल सकती है। वर्ल्ड जर्नल ऑफ मेडिकल साइंस के शोध में भी पुष्टि की गई है कि अश्वगंधा में भरपूर मात्रा में हाइपोलिपिडेमिक गुण पाया जाता है, जो रक्त में खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में कुछ मदद कर सकता है।

५. अनिद्रा: अश्वगंधा के पत्तों में ट्राइथिलीन ग्लाइकोल नामक यौगिक होता है, जो गहरी नींद में सोने में मदद कर सकता है इसलिए अश्वगंधा का सेवन करना अनिद्रा दूर कर गहरी नींद पाने का अच्छा और आसान तरीका है। रात को सोते समय १ चम्मच अश्वगंधा चूर्ण १ कप गर्म दूध के साथ ले।

६. यौन क्षमता में वृद्धि: अश्वगंधा के उपयोग से पुरुषो में प्रजनन क्षमता का विकास होता हैं। यह टेस्टोस्टेरोन, एक प्रकार का मेल हार्मोन, की मात्रा में भी बढ़ावा करती हैं। टेस्टोस्टेरोन प्रजनन के कार्य करता हैं। इसके उपयोग करने से जिनके अंदर इसकी कमी होती हैं। उसे यह पूर्ण करता हैं। वही यह पुरुषो के शरीर में इसके विकास का भी काम करता हैं।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर। 9828011871

७. बढ़ाये ताकत और माँसपेशियां : आयुर्वेद में अश्वगंधा को बल्य और बृंहणीय खा गया है। अश्वगंधा के नियमित सेवन से मांसपेशियों और ताकत में वृद्धि होती है। एक अध्ययन में, पुरुषों ने ८ सप्ताह के लिए प्रति दिन ५०० मिलीग्राम अश्वगंधा का सेवन किया। जिससे उनकी मांसपेशियों की शक्ति में १ % की वृद्धि देख गयी जबकि प्लेसीबो समूह में कोई सुधार नहीं हुआ। इसके सेवन से मांसपेशियां मजबूत होने के साथ ही दिमाग और मांसपेशियों के बीच बेहतर तालमेल बन सकता है। इसी वजह से जिम जानेवाले और अखाड़े में अभ्यास करने वाले पहलवानों को अश्वगंधा सप्लीमेंट्स लेना चाहिए।

८. बढ़ाये रोग प्रतिरोधक क्षमता : प्रतिरोधक क्षमता बेहतर करने के लिए अश्वगंधा का नियमित सेवन उपयुक्त है। विभिन्न वैज्ञानिक अध्ययनों के जरिए स्पष्ट किया गया है कि अश्वगंधा खाने से रोग प्रतिरोधक क्षमता में सुधार होता है। इसमें मौजूद इम्यूनमॉड्यूलेटरी गुण शरीर की जरूरत के हिसाब से प्रतिरोधक क्षमता में बदलाव करता है, जिससे रोगों से लड़ने में मदद मिलती है। अश्वगंधा का सेवन सीमित मात्रा में ही करें। अत्यधिक मात्रा में इसका सेवन नुकसान करता है। अधिक मात्रा में इसका सेवन करने से उलटी, दस्त हो सकते है। यह ब्लड प्रेशर कम करती है इसलिए कम ब्लड प्रेशर के मरीज इसका सेवन ना करे।

जो रुग्ण ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, अनिद्रा के लिए पहले से ही कोई दवाइयाँ ले रहे हो उन्हें इसका चिकित्सक की परामर्श के अनुसार ही प्रयोग करना चाहिए। अश्वगंधा अधिक मात्रा में लेने से गर्भस्त्राव कराती है इसलिए इसे गर्भवती महिलाओं को सेवन नहीं करना चाहिये। अश्वगंधा योग्य मात्रा में लेने से बहोत ही लाभ देती है। लेकिन सभी व्यक्ति आयुर्वेद चिकित्सक के देखरेख में ही इसका उपयोग करें। अश्वगंधा सत्व, अश्वगंधा कैप्सूल, अश्वगंधा के फायदे प्राप्त करने का आसान विकल्प है।